2/5/25

वकलाए फरीकैन उप० PO साहब अन्यकार्य...... में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 22/6/25 को पेश हो।

23/7/25 प्रा० पत्र मूल वाद के संलग्न अभि-पत्रावली में लिया गया।

वकील वादी/उभयपक्ष उप0। वकील वादी ने प्रा0 पत्र पेश कर वाद को विड्रा/~~नोट प्रेस~~ में खारिज किए जाने का निवेदन किया। अतः पत्रावली को इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसला शुमार नं. से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो।